


२६/६/२५ परावली पेशद्वारे/ काश्चिपत्रा ३०५५०  
अनुपलित - आदलय सकय पर व्वा  
बाहू आज्ञे डिलापायी ज्ञानी कि लु  
कोई उपानित / परावली अडक हाजिरी  
अडक करपी के वकारिज की जाली पु  
परावली कंसल शुमार होवा नये  
ले हो

अति.   
पुस्तभारा (पयाडगक)

